डॉ0 राम मनोहर लोहिया के विचारों का दार्शनिक विवेचन

रत्नेश कुमार

डॉ0 राम मनोहर लोहिया कि विचारधारा में एक ओर अद्वैत वेदांत का प्रभाव तथा मानवतावादी विकासवादी विचारधारा की झलक मिलती है, वहीं दूसरी तरफ क्रान्तिकारी भाव का दर्शन होता है। डॉ0 लोहिया ने भारतीयों में न केवल समता की भूख पैदा की बल्कि समतामूलक समाज कि स्थापना के लिए आन्दोलन, घेराव, सिविल नाफरमानी आदि को प्रोत्साहित किया। समाजवाद का दार्शनिक चिंतन अन्याय एवं दमन के विरूद्ध निरंतर जागरूकता एवं संघर्ष कर समता, स्वतंत्रता, स्वाभीमान एवं मानव गरिमा को साकार करने का है। इतिहास सदैव डॉ0 लोहिया को सशक्त समाजवादी एशियाई मसीहा के रूप में याद करता रहेगा। डॉ0 लोहिया का दर्शन देश एवं विश्व के युवा पीढ़ी के लिए हमेशा प्रेरणा स्त्रोत के रूप में प्रासंगिक एवं उपयोगी है।